सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

# स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, बुधवार, 30 जुलाई, 2025
वर्षः 02, अंकः 203, पृष्ठः 8+4

'कान खोल कर सुन लें, मोदी और ट्रंप की नहीं हुई बात'

» Pg 12

**इनसाइड** दान में मिली एलईडी टीवी पर डोल रही नीयत... » Pg 04

## सीएम पोर्टल पर पुलिस की शिकायत करना भारी पड़ा

# चौकी बुलाकर की पिटाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

- » सब इंस्पेक्टर के खिलाफ सीएम पोर्टल पर की थी शिकायत
- » जबरन समझौते के दबाव से तंग आकर की थी शिकायत
- » विरोध पर पीड़ित परिजनों संग एसएसपी कार्यालय पहुंचा

**मथुरा।** गोवर्धन थाना क्षेत्र की अड़ींग पुलिस चौकी पर तैनात एक सब इंस्पेक्टर के खिलाफ सीएम पोर्टल पर शिकायत करना एक युवक को भारी पड़ गया। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने युवक को बातचीत के बहाने चौकी बुलाया और फिर हिरासत में लेकर बेरहमी से उसकी पिटाई की। परिजनों का आरोप है कि युवक को इस कदर मारा कि उसके गुप्तांग तक चोटिल हो गए।

**पीड़ित युवक एसएसपी कार्यालय पहुंचा :** घटना के विरोध में मंगलवार को पीड़ित युवक के परिजन उसे साथ लेकर एसएसपी कार्यालय पहुंचे और न्याय की गुहार लगाई। दूसरी ओर, आरोपित सब इंस्पेक्टर कपिल नागर ने इन सभी आरोपों को निराधार बताया है।

माधुरी कुंड निवासी प्रह्लाद सिंह का करीब एक माह पूर्व गांव के ही कुछ लोगों से विवाद हो गया था। उस मामले में दूसरे पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने प्रह्लाद सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था, जो फिलहाल न्यायालय में विचाराधीन है।

**सब इंस्पेक्टर कपिल नागर के खिलाफ मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज :** प्रह्लाद सिंह का कहना है कि पुलिसकर्मी उनसे बार-बार समझौते का दबाव बना रहे थे और मना करने पर थाने में बंद करने की धमकी भी दे रहे थे। इसी से परेशान होकर उनके बेटे बृज किशोर ने अड़ींग चौकी पर तैनात सब इंस्पेक्टर कपिल नागर के खिलाफ मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर दी।

### पुलिस ने बृज किशोर के गुप्तांगों पर लात-घूंसे मारे

परिजनों के अनुसार, सीएम पोर्टल पर शिकायत के बाद सब इंस्पेक्टर नाराज हो गए और सोमवार शाम को पिता-पुत्र को चौकी बुलाया। आरोप है कि इस दौरान पुलिस ने बृज किशोर को हिरासत में लिया और उसकी बेरहमी से पिटाई की। उसे लात-घूंसे मारे गए जिससे उसके गुप्तांग पर गंभीर चोटें आईं। बताया गया है कि पिटाई के बाद घायल युवक को पुलिसकर्मियों ने खुद ही अस्पताल में भर्ती कराया। इसके बाद मंगलवार को परिजन बृज किशोर को लेकर एसएसपी श्लोक कुमार के कार्यालय पहुंचे। एसएसपी के निर्देश पर घायल को पुनः अस्पताल में भर्ती कराया गया और मामले की जांच के आदेश भी दिए गए हैं। एसएसपी का कहना है कि जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

### सब इंस्पेक्टर ने आरोपों को खारिज किया

दूसरी ओर, सब इंस्पेक्टर कपिल नागर ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। उनका कहना है कि 26 जुलाई को बृज किशोर ने पुलिस को सूचना दी थी कि गांव में फायरिंग हो रही है। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो कोई फायरिंग नहीं हुई थी, बल्कि दो पक्षों में मामूली कहासुनी चल रही थी, जिसमें बृज किशोर का परिवार भी शामिल था। सब इंस्पेक्टर के अनुसार, झूठी सूचना देने पर उन्होंने बृज किशोर से फोन पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उसका मोबाइल बंद मिला। बाद में सोमवार को बृज किशोर और उसके परिवार को चौकी बुलाकर पूछताछ की गई, लेकिन किसी तरह की मारपीट नहीं की गई। उन्होंने दावा किया कि बृज किशोर को 'हाइड्रोसील' की समस्या है, जिसके चलते गुप्तांगों में सूजन है, न कि किसी पिटाई के कारण। फिलहाल मामले की जांच जारी है और पुलिस के उच्च अधिकारी पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं।

**सनसनीखेज** संदिग्ध हालात में हाईवे किनारे मिला वर्दी में शव, रेप केस से जुड़ रही कड़ियां

# बाराबंकी में महिला सिपाही की हत्या, रेप की भी आशंका

» अंकित यादव, स्वराज इंडिया

**बाराबंकी।** जनपद बाराबंकी के मसौली थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जहां हाईवे के किनारे एक महिला सिपाही का शव वर्दी में मिला। मृतका की पहचान विमलेश पाल (24 वर्ष) के रूप में हुई है, जो वर्तमान में सुबेहा थाने में तैनात थीं और मूल रूप से सुल्तानपुर जनपद की निवासी थीं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शव वर्दी में था और उसकी नेम प्लेट पर साफ तौर पर 'विमलेश' लिखा था। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मसौली थाने के प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार सिंह और एसपी बाराबंकी अर्पित विजय वर्गीय भी घटनास्थल पर पहुंचे। बताया जा रहा है कि सिपाही विमलेश 27 जुलाई को ड्यूटी पर गई थीं, लेकिन इसके बाद से उनका कुछ अता-पता नहीं चल सका। रविवार को उनकी ड्यूटी रामनगर महादेव में थी, पर वे वहां भी नहीं पहुंचीं। सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2024 में विमलेश पाल ने बाराबंकी कोतवाली में सिपाही इंद्रेश मौर्य के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था। अब उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं कि क्या यह आत्महत्या है या किसी साजिशन हत्या की वारदात?

### हत्या की आशंका, परिजन सदमे में

घटनास्थल की स्थिति और शव की दशा को देखते हुए स्थानीय लोग और सूत्र इसे सामान्य मौत नहीं मान रहे हैं। उनका कहना है कि पूरा मामला हत्या की ओर इशारा करता है। परिजन भी गहरे सदमे में हैं और किसी तरह की टिप्पणी करने की स्थिति में नहीं हैं। फिलहाल पुलिस ने मौत के कारणों को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया है। लेकिन मामले की संवेदनशीलता और पूर्व में दर्ज दुष्कर्म केस को देखते हुए जांच को उच्च स्तर पर ले जाने की संभावना जताई जा रही है।

# नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने किया नंदी गौशाला का निरीक्षण

**प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया**

**कानपुर। कानपुर नगर निगम द्वारा शहर में आवारा गोवंश की समस्या को लेकर सक्रियता तेज कर दी गई है। इसी क्रम में नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने पनकी स्थित नंदी गौशाला का निरीक्षण किया और कैटल कैचिंग विभाग द्वारा की जा रही कार्रवाई का जायजा लिया। इस दौरान मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.के. निरंजन भी मौजूद रहे।**

- **आवारा गोवंश पर सख्ती के निर्देश**
- **नगर आयुक्त ने कहा कि हर दिन पकड़े जाएंगे 50 आवारा पशु**

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि नगर क्षेत्र में सड़कों पर स्वच्छंद विचरण कर रहे गोवंश को प्रतिदिन कम से कम 50 की संख्या में पकड़ा जाए और उन्हें कांजी हाउस या गौशालाओं में सुरक्षित रखा जाए। उन्होंने कहा कि यदि इस कार्य में संसाधनों की कोई कमी है तो तत्काल प्रस्ताव बनाकर प्रस्तुत किया जाए ताकि कार्यवाही में कोई बाधा न आए।

**सड़कों पर छोड़े गए पशुओं पर होगी सख्त कार्रवाई**

नगर आयुक्त ने मौके पर मौजूद नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि दूध निकालने के बाद पशुओं को सड़कों पर न छोड़ा जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति होती है तो संबंधित गोस्वामी के खिलाफ प्राथमिक रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

**नंदी गौशाला की व्यवस्थाएं होंगी और बेहतर**

निरीक्षण के दौरान श्री सुधीर कुमार ने नंदी गौशाला की व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जहां भी स्थान उपलब्ध हो वहां वृक्षारोपण किया जाए, ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ छायादार व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा सके। गौशाला में संचालित चिकित्सा सेवाओं को भी और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए ताकि बीमार गोवंश का त्वरित उपचार हो सके।

वर्तमान में गौशाला में 3 सीसीटीवी कैमरे कार्यरत हैं। नगर आयुक्त ने इनकी संख्या बढ़ाने के भी निर्देश दिए,

जिससे निगरानी व्यवस्था और अधिक सख्त और पारदर्शी बन सके।

नगर निगम की इस कार्यवाही से उम्मीद की जा रही है कि शहर में आवारा पशुओं की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण होगा और गौशालाओं की व्यवस्थाएं भी और बेहतर होंगी।

## शहीद शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशान्या बोलीं

# प्रधानमंत्री के भाषण में 26 पीड़ितों का जिक्र न होना दुखद

## लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर के बारे में सरकार ने तमाम जानकारियां साझा की

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

**कानपुर। लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए विस्तृत भाषण पर पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए कानपुर निवासी शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशान्या द्विवेदी ने भावुक प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में ऑपरेशन सिंदूर समेत कई अहम बातों को विस्तार से रखा, लेकिन पहलगाम हमले में मारे गए 26 लोगों के लिए एक शब्द न कहे जाने से वे बेहद आहत हैं।**

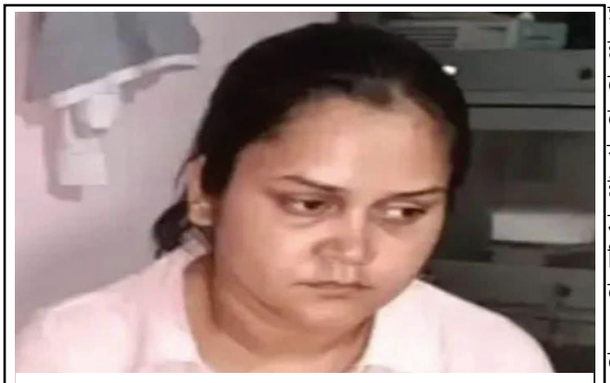

शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशान्या द्विवेदी ने दी भावुक प्रतिक्रिया

**मुझे उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री उनका ज़िक्र करेंगे**

ऐशान्या द्विवेदी ने कहा, प्रधानमंत्री ने आज विस्तार से सब कुछ बताया। पहलगाम हमले के तुरंत बाद विपक्ष ने सवाल किया कि सरकार कुछ क्यों नहीं कर रही है। फिर ऑपरेशन सिंदूर हुआ। जब ऑपरेशन रोक दिया गया, तो उन्होंने फिर सवाल करना शुरू कर दिया कि हम कुछ क्यों नहीं कर रहे हैं...एक बात जिसका मुझे सबसे ज़्यादा दुख है कि प्रधानमंत्री ने उन 26 लोगों के लिए कुछ नहीं बोला।

उन्होंने आगे कहा, प्रियंका गांधी और राहुल गांधी ने उन 26 पीड़ितों का ज़िक्र किया और मैं इसके लिए उनका धन्यवाद करती हूं। मुझे उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री भी उन 26 परिवारों का जिक्र कर उन्हें सम्मान देंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

**हमले के बाद भी दर्द कायम**

गौरतलब है कि जुलाई की शुरुआत में हुए पहलगाम आतंकी हमले में उत्तर प्रदेश के कई तीर्थयात्री मारे गए थे, जिनमें कानपुर के शुभम द्विवेदी भी शामिल थे।

यह हमला न केवल जम्मू-कश्मीर बल्कि पूरे देश को झकझोर गया था।

ऐशान्या की यह प्रतिक्रिया उन परिवारों की पीड़ा को उजागर करती है,

जिन्होंने अपने अपनों को इस भयावह हमले में खोया और अब उनकी अपेक्षा है कि देश के सर्वोच्च मंचों से उनके बलिदान को सम्मान मिले।

शहीदों के परिजन चाहते हैं कि उनकी पीड़ा केवल आंकड़ों में न सिमटे।

बल्कि उसे मानवीय दृष्टिकोण से देखा जाए और उनका स्मरण हर मंच से हो, खासकर तब जब देश की सुरक्षा और आतंकवाद पर चर्चा हो रही हो।

# शराब-मारपीट या साजिश

# बाथटब में मिली युवक की लाश

» बेटी बोली- दो अंकल आए, पापा को डंडे से मारा

» पत्नी ने बताया- नशे में थे, सुबह बाथटब में मिला शव

» भाई का आरोप- धर्म बदलवाने वाली पत्नी ने रची साजिश

मृतक राजन वर्मा

**प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया**

कानपुर। नौबस्ता थाना क्षेत्र में उस वक्त सनसनी फैल गई जब मंगलवार सुबह एक घर के बाथरूम में युवक का शव टब में मिला। मृतक की पहचान 40 वर्षीय राजन वर्मा के रूप में हुई, जो एल्युमिनियम फैब्रिकेशन का काम करता था। शव पर डंडे से पिटाई के कई निशान मिले हैं। राजन ने 2013 में मुस्लिम युवती से धर्म परिवर्तन कर लव मैरिज की थी। बेटी चाहत ने बताया कि रात में दो अंकल घर आए और पिता पर डंडे से हमला किया। वहीं, बेटे ने कहा कि पिता के दोस्तों ने वार किया और फिर भाग निकले। राजन की पत्नी चांदनी ने दावा किया कि वो शराब के नशे में थे और सुबह टब में डूबे मिले।

**संदिग्ध हालात में मौत, जांच में जुटी पुलिस**

शव की प्रारंभिक जांच में मृतक के शरीर पर डंडों से पीटने के कई गंभीर निशान पाए गए हैं, जिससे हिंसक हमले की आशंका गहराती जा रही है। सिर, कंधे, कमर और पैरों पर मौजूद चोटों के निशान साफ संकेत देते हैं कि उसे मारपीट का शिकार बनाया गया था।

हालांकि अभी तक पोस्टमार्टम की अंतिम रिपोर्ट नहीं आई है, जिसके आधार पर ही मौत की असल वजह की पुष्टि हो सकेगी। पुलिस ने एहतियातन बिसरा सुरक्षित कर जांच के लिए भेज दिया है। परिवार के सदस्यों और बच्चों के बयानों के आधार पर पुलिस ने कुछ नजदीकी लोगों को शक के घेरे में लिया है। राजन की बेटी और बेटे दोनों ने बताया कि रात में दो अज्ञात व्यक्ति घर आए थे, जिन पर डंडे से हमला करने का संदेह है। साथ ही पत्नी चांदनी के बयानों में भी विरोधाभास सामने आ रहे हैं, जिसे पुलिस गंभीरता से ले रही है। घटनास्थल से फॉरेंसिक टीम ने पानी से सना बाथरूम, टब

और पास रखे कुछ कपड़ों को साक्ष्य के तौर पर कब्जे में लिया है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने एक विशेष जांच टीम गठित कर दी है, जो परिवार, रिश्तेदारों और मृतक के करीबी दोस्तों से पूछताछ कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जैसे ही पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक रिपोर्ट मिलती है, मामले का सच सामने आ जाएगा और दोषियों को चिन्हित कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

# रेलवे ट्रैक पर मिला फैक्टरी कर्मी का क्षत-विक्षत शव

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कानपुर। पनकी थाना क्षेत्र में एक फैक्टरी कर्मी का क्षत-विक्षत शव रेलवे ट्रैक पर मिला है। परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बताया कि पुलिस ने पहले राजेंद्र के चौकी में होने की सूचना दी और फिर उसके भाग जाने की बात कही, जिसके बाद शव मिला है।

कानपुर में रायबरेली के रहने वाले और इटावा में कार्यरत फैक्टरी कर्मचारी राजेंद्र का क्षत-विक्षत शव सोमवार देर रात पनकी पड़ाव स्थित 86 नंबर क्रॉसिंग के पास रेलवे ट्रैक पर मिला। राजेंद्र सोमवार को घर जाने के लिए निकला था।

मृतक के भाई पिंटू ने बताया कि सोमवार देर रात पनकी चौकी

इंडस्ट्रियल एरिया से सिपाही का फोन आया था कि राजेंद्र वहां बैठा है और उसे लेने आएं। मंगलवार दोपहर पिंटू, पत्नी गीता देवी और साले सर्वेश के साथ चौकी पहुंचे, तो पुलिस ने बताया कि राजेंद्र बिना बताए भाग गया।

हालांकि, कुछ देर बाद पुलिस ने पिंटू को एक मोबाइल में फोटो दिखाकर पहचान करने को कहा, जो राजेंद्र के क्षत-विक्षत शव की थी।परिजनों ने घटनास्थल पर पहुंचकर राजेंद्र की बॉडी रेलवे ट्रैक पर देखी, जिससे उनमें कोहराम मच गया। परिजनों ने पुलिस के इस पूरे घटनाक्रम और विरोधाभासी बयानों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। पुलिस ने अभी तक मौत के कारणों पर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है।

# स्कूल को दान में मिली एलईडी टेलीविजन पर

# डोल रही बीईओ की नीयत

## स्व. सीमा गौर के परिजनों ने स्कूल को दी थी स्मृति संजोने के लिए

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**बिल्हौर।** मानवीय संवेदनाओं को ताक पर रखकर शिक्षिका स्व. सीमा गौर के परिजनों द्वारा ककवन के प्राथमिक विद्यालय उत्तमपुर को उनकी याद में दान स्वरूप दी गई एलईडी टेलीविजन खंड शिक्षा अधिकारी उठवा ले गए। जिससे व्यवस्था पर तमाम सवाल खड़े हो गए हैं। मामला जिले से लेकर प्रदेश स्तर तक के अधिकारियों तक पहुंचाने की तैयारी शुरू हो गई है।

गौरतलब है कि टीएससीटी की पहल पर स्वर्गीय सीमा गौर के परिजनों को दान स्वरूप पचास लाख रुपए की बड़ी धनराशि बीते दिनों प्राप्त हुई थी। इसे लेकर विद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें सीमा गौर की स्मृतियों को स्कूल में संजोए रखने के लिए उनके परिजनों ने एक एलईडी टेलीविजन, एक बड़ी अलमीरा तथा 10 बच्चों वाली कुर्सियां दी थीं। टीएससीटी ने यह पचास लाख रुपए की रकम सीमा गौर की पांच वर्षीय इकलौती बेटी को एफडी के रूप में दी थी। जिसके पश्चात टीएससीटी की पहल पर स्व. सीमा गौर के परिवार ने

स्वराज इंडिया बिल्हौर
दिवंगत शिक्षिका की मदद के लिए आगे आया टीएससीटी का कारवां
पचास लाख रुपए से की जा रही है पीड़ित परिवार की आर्थिक सहायता

स्वराज इंडिया बिल्हौर
तालाब बना स्कूल
बच्चों की पढ़ाई बनी चुनौती
उत्तमपुर प्राथमिक विद्यालय बारिश में लबालब भरा मिला, प्रशासन बेपरवाह

विद्यालय और बीआरसी केंद्र ककवन में पौधारोपण किया था। जिसमें टीएससीटी के जिला पदाधिकारियों ने भी शिरकत की थी। टीएससीटी की पहल पर विद्यालय को मिलने वाली दान स्वरूप एलईडी टीवी को खंड शिक्षा अधिकारी ककवन कमलेश कुमार गुप्ता ने फोन करके दो शिक्षकों को भेजकर एलईडी को बीआरसी मंगवा लिया। इससे ककवन खंड शिक्षा अधिकारी कमलेश कुमार गुप्ता की मंशा पर प्रश्नचिन्ह खड़े हो रहे हैं। क्या वह एलईडी को अपने घर ले जाना चाह रहे है। इस सवाल का जवाब अभी तक अनुत्तरित है। बताते चलें कि ककवन बीआरसी में एक बड़ी एलईडी पहले से लगी हुई है जिसे शासन ने मुहैया कराया है। जो शिक्षक स्कूल से एलईडी को लेकर आए हैं उनमें से एक अमित कुमार बाजपेई स.अ. प्राथमिक विद्यालय उत्तमपुर और दूसरे जितेंद्र कुमार स.अ. अहमदपुर नदीहा हैं। इसका अंकन विद्यालय के पत्र व्यवहार पंजिका में क्रमांक - 94/2025- 26 पर दिनांक 29/07/25 को किया गया है। स्व. सीमा गौर के परिवार वालों ने इसे बहुत ही गलत कृत्य व दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। सूत्रों की मानें तो ककवन के कुछ शिक्षक खंड शिक्षा अधिकारी के लिए गलत कार्यों को अंजाम देते हैं जिसमें वसूली तक शामिल है। उन शिक्षकों का काम स्कूल न जाना और खंड शिक्षा अधिकारी की जी हुजूरी में ही पूरा दिन बीत जाता है। ककवन क्षेत्र से लेकर जिले तक के शिक्षकों ने इसे बहुत ही दुर्भाग्य पूर्ण बताया है कि विद्यालय को दान में मिली एलईडी टीवी को शिक्षकों से उठवाकर बीआरसी मंगवाना घोर निंदनीय कृत्य है। वहीं ककवन खंड शिक्षा अधिकारी कमलेश गुप्ता ने बताया कि बीआरसी में जरूरत थी, इसलिए एलईडी टीवी मंगवा ली गई।

### बीईओ की कार्यशैली पर खड़े हुए सवाल

**बिल्हौर।** प्राथमिक विद्यालय उत्तमपुर में बाउंड्री नहीं है। जिसके चलते परिसर में पानी भर जाता है। जिसकी लिखित और मौखिक शिकायत कई बार की जा चुकी है। लेकिन उसे अनसुना कर दिया गया और स्कूल को दान में मिली एलईडी पर खंड शिक्षा अधिकारी ही अपनी नीयत खराब कर बैठे। ऐसे में प्राथमिक शिक्षा का स्तर कहां पहुंचेगा इसकी कल्पना आसानी से की जा सकती है।

**बदहाल** डेढ़ साल में ही सड़क का निकल गया दम, जोखिम भरा है इस पर चलना

# संभल कर चलें, उत्तमपुर संपर्क मार्ग पर गड्ढे ही गड्ढे

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**बिल्हौर(कानपुर)।** कहने को तो उत्तमपुर गांव को डेढ़ दशक बाद संपर्क मार्ग के पक्के निर्माण की सौगात मिली थी, लेकिन धरातल की सच्चाई इससे उलट है। करीब डेढ़ साल पहले बनी यह सड़क अब गड्ढों के लिए पहचानी जा रही है। हालात ऐसे हैं कि पैदल चलना भी जोखिम भरा हो गया है।स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण शुरू होते ही अनियमितताओं की नींव रख दी गई थी। मिट्टी हटाए बिना ही सीधे तारकोल और कंक्रीट का मिश्रण डाल दिया गया,

» सड़क निर्माण शुरू होते ही होने लगीं थी अनियमितताएं

» मिट्टी हटाए बिना ही सीधे डाला तारकोल और कंक्रीट का मिश्रण

जिससे एक छोर से शुरू हुई सड़क दूसरे छोर तक पहुंचने से पहले ही उखड़ने लगी।

ग्रामीणों ने इस पर कई बार अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया, लेकिन हर बार जांच कराएंगे जैसे जवाब मिलते रहे। मामला मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी पहुंचा, जहां एक महीने बाद एक जांच कमेटी बनी लेकिन कार्रवाई ठंडी पड़ी रही।सूत्रों के मुताबिक, निर्माण कार्य में गुणवत्ता की खुली अनदेखी हुई है। बजट पास होने के बाद निर्माण एजेंसी ने जल्दबाज़ी में काम निपटाया, वहीं अफसरों ने मौन साधे रखा। जांच के नाम पर महज कागजी खानापूर्ति की गई और सच्चाई फाइलों में दबा दी गई। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यदि समय के दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो यह संपर्क मार्ग भी सरकार की अन्य गड्ढामुक्त योजनाओं की तरह सिर्फ दावों में ही पक्का और जमीन पर उखड़ा रहेगा।

उत्तमपुर मार्ग पर चलना मुश्किल, सड़क जर्जर हो गई और जगह-जगह गड्ढे हो गए ।

## सम्पादकीय

# संयमित न हुई अभिव्यक्ति तो अंकुश

कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति के चलते उपजी विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश की जरूरत बताते हुए देश की शीर्ष अदालत ने आत्म-नियमन की जरूरत बतायी है। दरअसल, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की पीठ, एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर विचार कर रही थी, जिस पर धर्म विशेष के देवी-देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट के चलते कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अदालत का कहना था कि नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही इस अधिकार का इस्तेमाल करते हुए आत्म-संयम बरतना चाहिए। कोर्ट ने चेताया है कि यदि सोशल मीडिया पर विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश नहीं लगता तो सरकार को हस्तक्षेप करने का मौका मिलता है। जो एक अच्छी स्थिति नहीं होगी। निस्संदेह, समाज में विद्वेष व नफरत फैलाने वाले संदेश समरसता के भारतीय परिवेश के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। यही वजह है कि कोर्ट को कहना पड़ा कि वह नियमन के लिये दिशा-निर्देश जारी करने पर विचार कर रही है। दरअसल, अदालत का मानना था कि संविधान के अनुच्छेद 19(2) के तहत मिली आजादी असीमित कदापि नहीं है। यदि उससे सामाजिक समरसता में खलल पड़ता है तो सरकार को दखल देने का मौका मिलता है। जो कि एक लोकतांत्रिक देश के लिये अच्छा संकेत नहीं है। कोई नहीं चाहता कि उसकी अभिव्यक्ति की आजादी को सरकार नियंत्रित करे। सही मायनों में लोगों को समझना चाहिए कि देश की एकता व अखंडता बनाये रखना मौलिक कर्तव्य ही है। अदालत ने इस बाबत सवाल भी किया कि नागरिक स्वयं को संयमित क्यों नहीं कर सकते?, कोर्ट का मानना था कि लोग तभी अभिव्यक्ति की आजादी का आनन्द ले सकते हैं जब यह संयमित ढंग से व्यक्त की जाए। शीर्ष अदालत की पीठ का मानना था कि नागरिकों के बीच भाईचारा होना चाहिए, तभी समाज में नफरत से मुकाबला किया जा सकता है। तभी हम गंगा-जमुनी संस्कृति के समाज का निर्माण कर सकते हैं।

वैसे कई राज्यों में स्वतंत्र अभिव्यक्ति के नियमन को लेकर सरकारी कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। कई जगह विचारों की अभिव्यक्ति व कार्टून आदि बनाने को राजनीतिक दुराग्रह बताते हुए लोगों को गिरफ्तार तक किया गया है। जिसे सत्ताधीशों द्वारा बदले की भावना से की कार्रवाई बताया जाता रहा है। आरोप लगाया जाता रहा है कि सत्तारूढ़ दल की विचारधारा के अनुरूप अमर्यादित अभिव्यक्ति पर कोई एक्शन नहीं लिया जाता। लेकिन दूसरे राज्य में अन्य राजनीतिक दल की सरकार में यही अभिव्यक्ति अपराध बन जाती है। कहा जाता रहा है कि अभिव्यक्ति की आजादी द्वारा किसी मर्यादा को भंग करना घटिया या आपत्तिजनक तो हो सकता है लेकिन इसे अपराध की श्रेणी में नहीं रखा जाना चाहिए। इसे कानून के आलोक में देखा जाना चाहिए। यह निर्विवाद सत्य है कि विभिन्न राजनीतिक दलों व संगठनों द्वारा सोशल मीडिया मंच का जमकर दुरुपयोग किया जाता रहा है। वहीं लोगों का कसूर यह है कि दल विशेष के एजेंडे वाली सामग्री को वे बिना पढ़े, दूसरे लोगों व समूहों में शेयर कर देते हैं। दरअसल,आम नागरिकों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि सोशल मीडिया पर उनका संयमित व्यवहार कैसा होना चाहिए। बहुत से लोगों को यह पता नहीं होता है कि सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही सामग्री की कितनी संवेदनशीलता है।

# शुभमन के उभार से भारतीय क्रिकेट में शुभ संकेत

प्रदीप मैगजीन

**किसी वरिष्ठ खिलाड़ी की गैरमौजूदगी में, भारतीय टीम इंग्लैंड के चुनौतीपूर्ण दौरे पर थी जिसकी कप्तानी नवनियुक्त कप्तान शुभमन गिल कर रहे थे। टीम में कोई 'मार्गदर्शक' खिलाड़ी नहीं था जिससे आशंकाएं भी थीं। हार-जीत अपनी जगह लेकिन लीड्स मैदान में कुशल बल्लेबाज गिल ने कप्तान की जिम्मेदारी बखूबी निभाई। उसकी मुस्कान व विनम्रता अब क्रिकेट प्रेमियों को भाएगी।जब जीत की खुशी से ज्यादा हार का डर बन जाए, तो मानस पर संदेह की परत चढ़ जाती है। सफलता की राह में बाधाएं खड़ी करने वाले इस स्व-निर्मित भय को मिटाने के लिए असाधारण प्रयासों की जरूरत पड़ती है। जब सफलता और स्टारडम की एक समान चाहत रखने वाली भारतीय टीम का कप्तान शुभमन गिल को नियुक्त किया गया, तो पूरा भारत आशंकित था। एक ऐसे समाज के लिए जिसे शून्यता में रहने से डर लगता है, वह शून्यता जो 'दैवीय प्रकाश पुंज' के न रहने से बनती है, ऐसे में बेचैन बने अपने अस्तित्व को कुछ मायने और सार देने के लिए एक 'देवदूत' की बेतरह आकांक्षा करता है।**

भारत के क्रिकेट प्रेमी कल्पना भी नहीं कर सकते थे कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के बिना उनकी दुनिया कैसी दिखेगी।उनका 'परम प्रिय' कोहली दूर चला गया था, जिसने सालों तक एक राजा या मालिक की तरह 'सल्तनत' पर बादशाहत की। हमारे समय की सबसे प्रभावशाली क्रिकेट शख्सियत, जिसकी प्रशंसक पूजा करते हैं और टेलीविजन चैनलों का सबसे प्रिय। उसने इंग्लैंड में अपने साथियों के साथ टेस्ट मैच में जूझने की बजाय विंबलडन में टैनिस मैच देखना पसंद किया। क्या पता, टेस्ट रन औसत सूची में नीचे फिसलने का डर और लोगों की अपेक्षाओं का बोझ, रन बनाने और सैकड़ा मारने से मिलने वाली खुशी पर हावी हो गया हो।रोहित शर्मा, सितारों वाली नखरेबाज़ी से सदा दूर, आम लड़के की छवि वाला, पर जिसने क्रिकेट में बहुत ऊंचा मुकाम हासिल किया। उसे यह अहसास करने में थोड़ा वक्त लगा कि उसका वक्त चुक गया है, आखिरकार, इंग्लैंड दौरे के लिए टीम चयन से एक दिन पहले उसने भी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। ऐसे में किसी वरिष्ठ मार्गदर्शक की गैरमौजूदगी में, इंग्लैंड के कठिन और चुनौतीपूर्ण दौरे पर भारतीय टीम दिशाहीन स्थिति में पहुंच सकती था। घर में और विदेशों में, भारतीय टीम को मिली खलाबद्ध हार की पृष्ठभूमि में, यह आशंका निराधार नहीं थी।भारत ने लीड्स के मैदान में रक्षात्मक मानसिकता के साथ पहले टेस्ट मैच में कदम रखा, जो टीम चयन में परिलक्षित हो रहा था। जो आदमी अब सब फैसले लेने और टीम नियंत्रक प्राधिकारी के तौर पर पीछे बचा, वह था विवादास्पद कोच गौतम गंभीर। उसकी इस निर्विवाद शक्ति के पीछे ज्यादा बड़ा कारक है सत्तारूढ़ पार्टी का पूर्व सांसद होना बजाय इसके कि बतौर क्रिकेटर उसकी सम्मानजनक साख रही है या रणनीति या मानव-प्रबंधन कौशल की अच्छी समझ है, हालांकि कोलकाता नाइट राइडर के टीम-कोच के रूप में आईपीएल में वह काफी सफल रहा।फुटबॉल के विपरीत, क्रिकेट में टीम का चेहरा इसका कप्तान होता है न कि कोच या मैनेजर। एक ऐसे खेल में, जो पांच दिन चलता है और मैदान में लिए जाने वाले फैसलों को दूर से बैठकर प्रेषित करना मुश्किल है, कप्तानी का काम कोच के आदेशों से नहीं चल सकता। खिलाड़ियों को संभालने एवं अगुवाई करने का बोझ पाकिस्तान की सीमा से लगे पंजाब के एक छोटे से गांव के एक युवा के कंधों पर आन पड़ा।ग्रामीण पंजाब का एक लड़का, जिसके कृषक पिता ने खेती के साथ-साथ बेटे को पेशेवर क्रिकेटर बनाने में मेहनत की। शुभमन एक रूढ़िवादी आक्रामक, आवेगी व बिना सोचे-समझे काम करने वाले चरित्र जैसा नहीं है। भारतीय क्रिकेट जगत में उत्तर भारतीय बनाम शेष भारतीय विभाजन को लेकर खूब कहानियां रही हैं।

# लोकतंत्र के प्रहरी की भूमिका निभाने का वक्त

**आयुक्त की काल्पनिक चिट्ठी**

मनोज चितन

**पुनरीक्षण कार्य लोगों का नाम काटने और शक्तिहीन करने वाला प्रतीत हो रहा है। दूरगामी परिणामों वाले इतने विशाल काम को, इतने कम समय में करने का प्रयास तक आपदा का नुस्खा बन सकता है।प्रिय मुख्य चुनाव आयुक्त! मैं समय के गलियारे के छोर से आपको यह चिट्ठी लिख रहा हूं। एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसे हमारे गणतंत्र के एकदम प्रारंभिक वर्षों में यह सुनिश्चित करने का पावन काम सौंपा गया था कि प्रत्येक भारतीय, चाहे वह किसी भी जाति, पंथ, वर्ग या क्षेत्र का हो, मुक्त और बेखौफ होकर अपना वोट डाल सके।**

जब मैंने 1951-52 में पहला लोकसभा चुनाव करवाया था, तब गणतंत्र शैशव काल में था, विभाजन के जख्म ताजा थे, निरक्षरता से बोझिल और सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के विचार से अनभिज्ञ। फिर भी, भारतीय जनता ने चुनावी प्रक्रिया में अटूट विश्वास जताया, क्योंकि उन्हें यकीन था कि इसे संचालित करने वाली संस्था निष्पक्षता, दृढ़ता और कार्यपालिका से पूर्ण आजादी के साथ काम कर रही है।आज, जरूरी है कि यह विश्वास डगमगाए नहीं, क्योंकि बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बारे में आई हालिया रिपोर्टें बेहद परेशान करने वाली हैं। आरोप हैं कि यह प्रक्रिया गरीबों, भूमिहीनों और सामाजिक रूप से हाशिए के लोगों को असमान रूप से प्रभावित कर रही है, जिनके लिए मतदान का अधिकार अक्सर सशक्तीकरण का एकमात्र वास्तविक साधन रहा है।वहां चल रहा पुनरीक्षण कार्य लोगों का नाम काटने और शक्तिहीन करने वाला प्रतीत हो रहा है। दूरगामी परिणामों वाले इतने विशाल काम को, इतने कम समय में करने का प्रयास तक आपदा का नुस्खा बन सकता है। आप यह काम एक ऐसे राज्य में कर रहे हैं जहां से दूसरे राज्यों में प्रवासी कामगार बनने वालों की संख्या बहुत अधिक है। जिसका भूगोल कुछ महीने बाढ़ से अस्त-व्यस्त रहता है। आप पर सूचना प्रकटीकरण में कंजूसी, चर्चाओं और संवाद में अड़ियल रवैया अपनाने और सबसे दुखद यह कि सार्वजनिक संवाद में आपके द्वारा लड़ाकू रुख रखने के आरोप लगते हैं। इन दिनों आलोचकों को चुप कराने के लिए नियम-पुस्तिका का वास्ता देना एक प्रकार से नैतिकतावादी हथकंडा बन गया है। नियम-पुस्तिका न्यूनतम और बुनियादी मानकों को सुनिश्चित करने के लिए होती है।करोड़ों लोगों पर उनका नाम कटने की चिंता तारी है। इस प्रक्रिया के शुरू होने के दो हफ़्ते बाद भी, कई लोगों को मतदाता आवेदन फ़ॉर्म तक नहीं मिले हैं। अपनी पात्रता सिद्ध करने को मतदाताओं के एक बड़े हिस्से के पास आपके आयोग द्वारा तय किए गए।

# कांग्रेस के जोनल कोऑर्डिनेटर ने संगठन सृजन की समीक्षा की

**प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया**

**कानपुर। कांग्रेस पार्टी के संगठन सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को कांग्रेस मुख्यालय तिलक हॉल में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन हुआ। इस बैठक की अध्यक्षता कानपुर-बुंदेलखंड के जोनल कोऑर्डिनेटर एवं पूर्व विधायक गया दीन अनुरागी ने की। बैठक में नगर ग्रामीण कांग्रेस कमेटी की संगठनात्मक तैयारियों की समीक्षा करते हुए ब्लॉक व वार्ड स्तर पर संगठन को सशक्त करने पर चर्चा हुई।**

## जिम्मेदारियाँ सौंपी :संगठनात्मक अनुशासन और बूथ स्तर पर मजबूती पर दिया ज़ोर

जिला अध्यक्ष संदीप शुक्ला ने बैठक में बूथवार संगठन का खाका प्रस्तुत किया और बताया कि प्रत्येक ब्लॉक एवं वार्ड में प्रभारी नियुक्त किए गए हैं, जो अध्यक्षों के कार्यों की निगरानी कर संगठन सृजन में सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ब्लॉक और वार्ड में 21 सदस्यीय कमेटी बनाई जा रही है, जिसमें उपाध्यक्ष, महासचिव, कार्यालय प्रभारी और सचिव शामिल होंगे। इन कमेटियों के गठन की अंतिम तिथि 31 जुलाई तय की गई है।

जोनल कोऑर्डिनेटर गया दीन अनुरागी ने कहा, अनुशासन ही किसी संगठन की असली ताकत होता है। नगर ग्रामीण कांग्रेस कमेटी की सक्रियता इस बात का प्रमाण है कि संगठन धरातल पर मजबूती से काम कर रहा है। प्रदेश ही नहीं, केंद्र स्तर पर भी यहाँ की कार्यशैली से उम्मीदें जगी हैं।

पूर्व विधायक पं. भूधर नारायण मिश्रा ने आगामी पंचायत चुनावों को कांग्रेस की राजनीतिक दिशा के लिए निर्णायक बताया। उन्होंने कहा कि यदि पार्टी पंचायत चुनाव में सफल होती है, तो विधानसभा और लोकसभा में कांग्रेस की वापसी की राह प्रशस्त होगी।

बैठक में ब्लॉक अध्यक्षों में सुशील पटेल, दिनेश शुक्ला, आनंद तिवारी, सुशील पाल और परशुराम कुशवाहा ने अपने-अपने क्षेत्र की संगठनात्मक प्रगति की रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसकी सभी ने सराहना की।

जिला कोऑर्डिनेटर विजय मिश्रा और दिनेश सिंह ने सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए संगठन के पुनर्गठन की आवश्यकता पर बल दिया।बैठक में प्रमुख रूप से बाबू राम सोनकर, विजय निषाद, ईमेनवल सिंह, सुनील राजदान, सतीश दीक्षित, क्षत्रिय आज़ाद, कृपेश त्रिपाठी, आनंद मेहरोत्रा, ईखलाक अहमद डेविड, तुफैल अहमद, एजाज़ राशिद, देवी प्रसाद निषाद, उषा रानी कोरी, आनंद वर्मा, शशिकांत दीक्षित, ममता तिवारी, डॉ. आर.के. सिंह सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।कार्यक्रम का संचालन नरेंद्र चंचल कुशवाहा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रदीप द्विवेदी ने दिया।

# केडीए: कपली गांव में अवैध प्लाटिंग पर चला बुलडोजर

## » प्रवर्तन जोन-2 के अन्तर्गत जोनल प्रभारी संदीप मोदनवाल की अगुवाई में हुई कार्रवाई

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

**कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) द्वारा अवैध निर्माणों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी है। उपाध्यक्ष के निर्देशानुसार आज प्रवर्तन जोन-2 के अन्तर्गत जोनल प्रभारी संदीप मोदनवाल की अगुवाई में मौजा कपली, कानपुर नगर स्थित आराजी संख्या 222 एवं आसपास के क्षेत्रों में की गई अवैध प्लाटिंग पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई।**

कार्रवाई के दौरान प्रभारी अधिकारी एवं अवर अभियंता रमाकान्त की टीम, प्रवर्तन दल, पूर्व सैनिक बल, तथा थाना पनकी, कानपुर नगर की पुलिस बल की उपस्थिति में अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया गया।प्राधिकरण की यह कार्यवाही उन लोगों के खिलाफ है जो बिना अनुमति के भूमि का टुकड़ों में विभाजन कर अवैध प्लाटिंग कर रहे हैं। केडीए द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि इस क्षेत्र में चल रही अन्य अवैध प्लाटिंग को भी चिन्हित कर शीघ्र ही ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

प्रवर्तन जोन-2 के प्रभारी अधिकारी ने कहा, जनहित में यह कार्रवाई जरूरी है ताकि अवैध निर्माणों पर रोक लगाई जा सके और शहर की योजनागत विकास प्रक्रिया को बाधित न होने दिया जाए।केडीए की यह कार्यवाही एक सख्त संदेश है कि अवैध प्लाटिंग या निर्माण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

## साकेत नगर और जूही कलां में तीन अवैध निर्माण सील

**कानपुर। उपाध्यक्ष के निर्देश पर प्रवर्तन जोन-2 में जोनल प्रभारी के नेतृत्व में तीन आवासीय परिसरों को सील किया गया। प्राधिकरण की टीम ने गंगाराम तिवारी के प्लॉट संख्या 127/921, ब्लॉक डब्ल्यू-1, साकेत नगर, राजेन्द्र कुमार मिश्रा एवं डॉ. प्रशांत मिश्रा के संयुक्त स्वामित्व वाले प्लॉट संख्या 127/196 व 197, ब्लॉक डब्ल्यू-1, साकेत नगर, तथा श्री ओम प्रकाश थारवानी के प्लॉट संख्या 203, ब्लॉक डब्ल्यू-2, जूही कलां में सीलबंदी की कार्रवाई की। यह अभियान प्रभारी अधिकारी व अवर अभियंता अटल चतुर्वेदी तथा प्रवर्तन दल की उपस्थिति में संपन्न हुआ।**

# ग्राम करौसा में नाग पंचमी के अवसर पर भव्य दंगल प्रतियोगिता सम्पन्न

## ग्रामीण युवाओं में दिखा उत्साह, विजेताओं को मिला नकद पुरस्कार

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कानपुर देहात। अकबरपुर ब्लॉक के ग्राम करौसा में नाग पंचमी के पावन अवसर पर भव्य दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें गांव के नवयुवकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन ग्राम प्रधान विकास यादव की देखरेख में किया गया। प्रतियोगिता में अमित कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। गौरव कुमार द्वितीय स्थान पर तथा प्रांशु यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को ग्राम प्रधान द्वारा सम्मानित किया गया। प्रथम पुरस्कार - 2100 (अमित कुमार) द्वितीय पुरस्कार - 1100 (गौरव कुमार) तृतीय पुरस्कार - 500 (प्रांशु यादव) इस आयोजन में ग्रामवासी भारी संख्या में उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से मौजूद ग्रामीणों में —कोमल मास्टर, धन्या, कल्लू, पाल जी, डीके यादव, राजू, राम बहादुर, जैन बाबू, कन्ना, शीलू, मनीष, दीपु, कपिल, रैम्बो, रोहित, पंकज, रतन यादव, शिव सिंह, अभिमन्यु यादव, सनी, आशीष, कन्हैया, सोनू सेठ, पंकज दूधिया सहित समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।ग्राम प्रधान विकास यादव ने सभी प्रतिभागियों और उपस्थित जनसमूह को धन्यवाद दिया।

# डीएचडी गर्ल्स इंटर कॉलेज में शिक्षाविद एवं पूर्व एमएलसी जगेन्द्र स्वरूप जी की 11वीं पुण्यतिथि मनाई गई

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

**कानपुर।डी.एच.डी. गर्ल्स इंटर कॉलेज, कानपुर में मंगलवार को कॉलेज के पूर्व प्रबंधक, वरिष्ठ शिक्षाविद और पूर्व विधान परिषद सदस्य कीर्तिशेष जगेन्द्र स्वरूप जी की 11वीं पुण्यतिथि अत्यंत श्रद्धा, गरिमा और प्रेरणा के वातावरण में मनाई गई।कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय की प्रधानाचार्या ममता देवी के नेतृत्व में हुआ, जिसमें समस्त शिक्षिकाओं, कर्मचारियों और छात्राओं ने भाग लिया।**

प्रधानाचार्या ममता देवी ने जगेन्द्र स्वरूप जी के व्यक्तित्व और कृतित्व को स्मरण करते हुए कहा, उनका जीवन समाज के लिए आदर्श और प्रेरणादायक रहा है। उन्होंने शिक्षा, राजनीति और समाज सेवा के क्षेत्र में जो योगदान दिया, वह आज भी मार्गदर्शन का स्रोत है।

उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे उनके दिखाए गए आदर्शों पर चलते हुए न केवल अपने व्यक्तित्व को संवारें, बल्कि एक जागरूक, सशक्त और संवेदनशील समाज के निर्माण में भी सक्रिय भूमिका निभाएं।विद्यालय के वर्तमान प्रबंधक मानवेंद्र स्वरूप जी के मार्गदर्शन में विद्यालय में चल रही शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों की सराहना करते हुए यह संकल्प लिया गया कि छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु समर्पणपूर्वक प्रयास जारी रहेंगे।कार्यक्रम के अंत में सभी शिक्षिकाओं और छात्राओं ने पुष्प अर्पण कर जगेन्द्र स्वरूप जी को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर शिक्षिकाएं श्रीमती नीतू सिंह, श्रीमती नीलिमा सिंह, श्रीमती वंदना सिंह, कु. शबीना खान समेत समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

# सीबीआई अधिकारी बनकर डराते थे, वीडियो कॉल पर ठगते थे हजारों

» गजनेर पुलिस ने किया गिरोह का भंडाफोड़, दो साइबर अपराधी गिरफ्तार

» महिला से 29 हजार की ठगी, मोबाइल-नकदी बरामद, फरार साथियों की तलाश जारी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिले की गजनेर पुलिस ने हाईटेक साइबर ठग गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान जुगराज सिंह और चंदन सिंह के रूप में हुई है, जो खुद को पुलिस या सीबीआई अधिकारी बताकर मासूम लोगों को झांसे में लेते थे। गिरोह का तरीका बेहद शातिराना था ये वीडियो कॉल पर लोगों को अश्लील सामग्री देखने का झूठा आरोप लगाकर उन्हें पॉक्सो और बलात्कार जैसे गंभीर मामलों में फंसाने की धमकी देते थे। इसके बाद डराकर ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के जरिए ठगी करते थे।

मुखबिर की सूचना पर गजनेर थाना पुलिस ने ग्राम रंजीतपुर के एक बंद पड़े प्राथमिक विद्यालय में छापा मारा। मौके पर मौजूद आरोपियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने पीछा कर उन्हें दबोच लिया। उनके पास से कुल 08 मोबाइल फोन (4 की-पैड और 4 स्मार्टफोन) व 2,500 नकद बरामद किए गए।

**ऑडियो में बजाते थे पुलिस सायरन, महिला से वसूले 29,000**

पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने बताया कि उनका एक संगठित गिरोह है, जो अलग-अलग इलाकों में वीडियो कॉल के ज़रिए लोगों को जाल में फंसाता है। गिरोह के सदस्य बात करते समय पुलिस सायरन की आवाज चलाकर सामने वाले को विश्वास दिलाते थे कि वे वाकई कोई अधिकारी हैं। अब तक एक महिला से 29,000 की ठगी की पुष्टि हुई है। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश कर दिया है। फिलहाल अन्य फरार साथियों की तलाश में टीमें गठित कर छापेमारी की जा रही है।

# स्कूल वैन चालक की शर्मनाक हरकतों से मासूम बच्ची आहत

» रोज़ाना स्कूल से घर लाते वक्त करता था घिनौनी हरकतें

» शरीर पर मिले लाल निशान, बच्ची ने घर पहुंचकर बताई पूरी बात

» स्कूल से लौटते समय वैन चालक करता था गलत व्यवहार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रनियां थाना क्षेत्र के एक गांव में स्कूल वैन में पढ़ने वाली 7 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ गलत व्यवहार का गंभीर मामला सामने आया है। परिजनों का आरोप है कि स्कूल वैन चलाने वाला व्यक्ति बच्ची को घर छोड़ते समय लगातार कई दिनों से अनुचित हरकतें कर रहा था।

मंगलवार को जब बच्ची की मां ने उसकी तबीयत और व्यवहार में बदलाव देखा तो उसने बातचीत में पूरी बात बताई।

बच्ची ने बताया कि वह व्यक्ति वैन के अंदर कुछ ऐसे काम करता है

जिससे उसे बहुत तकलीफ होती है। उसके शरीर पर चोट के निशान देखकर माता-पिता घबरा गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी। बच्ची के छोटे भाई, जो उसी वैन से स्कूल जाता है, ने भी घटना की पुष्टि की है।

**जांच में जुटी पुलिस, आरोपी पर सख्त धाराओं में केस दर्ज**

बच्ची के बयान और शरीर पर मिले चोटों के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना रनियां की पुलिस ने बच्ची को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेजा और चाइल्ड वेलफेयर अफसर को भी सूचित किया गया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है और आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। स्कूल प्रबंधन से भी पूछताछ की जा रही है कि आरोपी व्यक्ति को बच्चों के संपर्क में कैसे रखा गया।

# कानपुर देहात में चोर बेखौफ छत जल काटकर हाथ किया साफ

» शिक्षक दंपति के दोमंजिला मकान में दिया वारदात को अंजाम

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर के लोहिया नगर में शनिवार रात उस समय बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया, जब शिक्षक धर्मेन्द्र कटियार अपने परिवार के साथ झांसी इलाज के लिए गए हुए थे। चोरों ने दोमंजिला मकान की छत पर लगे लोहे के जाल को काटा और भीतर घुस गए। इसके बाद दो कमरों के ताले तोड़कर अलमारी में रखे करीब 10 लाख रुपये के गहने और 60 हजार रुपये नकद चुरा ले गए।धर्मेन्द्र कटियार क्षेत्र के कुंवरपुर प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक हैं, जबकि उनकी पत्नी पूनम कटियार अफसरिया में शिक्षिका हैं। मंगलवार दोपहर जब धर्मेन्द्र घर लौटे तो टूटे ताले और बिखरा सामान देखकर उनके होश उड़ गए। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड के साथ मौके की छानबीन की। थाना प्रभारी कालीचरण कुशवाहा ने बताया कि जल्द ही घटना का खुलासा कर चोरों को गिरफ्तार किया जाएगा।स्थानीय लोगों ने इलाके में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर नाराज़गी जताई है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

# नवागत डीएम कपिल सिंह ने संभाला कार्यभार, विकास को बताया प्राथमिकता

» कोषागार पहुंचकर विधिवत किया चार्ज ग्रहण, अधिकारियों से लिया परिचय

» जनसुनवाई को प्रभावी बनाने और योजनाओं का लाभ समय पर दिलाने के निर्देश

**स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो**

कानपुर देहात। जिले के नवागत जिलाधिकारी कपिल सिंह ने मंगलवार को कोषागार पहुंचकर विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने सबसे पहले कोषागार में मौजूद स्टांप, खातों और अन्य अभिलेखों की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने वहां उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों से औपचारिक परिचय प्राप्त किया।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि विकास योजनाओं का सुचारु क्रियान्वयन और कानून व्यवस्था की प्रभावी निगरानी उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की सभी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचे। सभी विभागों को परस्पर समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए।

### जनहित सर्वोपरि समस्याओं के निस्तारण में हो संवेदनशीलता

डीएम कपिल सिंह ने कहा कि शिकायतों का समय पर और निष्पक्ष समाधान उनकी कार्यशैली का हिस्सा है।

जनसुनवाई को अधिक प्रभावी बनाकर जनता के विश्वास को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे ईमानदारी व संवेदनशीलता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें, ताकि आम जनता को अनावश्यक परेशानी न हो।कार्यभार ग्रहण के अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार, एडीएम वित्त एवं राजस्व दुष्यंत कुमार, एडीएम न्यायिक दिग्विजय सिंह, वरिष्ठ कोषाधिकारी त्रिभुवन प्रसाद, एसडीएम अकबरपुर, तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

# ब्लॉक मुख्यालय बना गंदगी का अड्डा, अफसरों की खुली लापरवाही

**स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो**

कानपुर देहात। जिला प्रशासन भले ही स्वच्छता और संचारी रोग अभियान को लेकर गंभीर हो, लेकिन ब्लॉक मुख्यालयों की हालत बता रही है कि आदेशों की ज़मीनी हकीकत क्या है। सरवन खेड़ा ब्लॉक परिसर में साफ-सफाई के नाम पर भारी लापरवाही बरती जा रही है। ब्लॉक मुख्यालय परिसर में जहां-तहां बड़ी-बड़ी घासें उग आई हैं और जलभराव से कीचड़, दुर्गंध और मच्छरों का प्रकोप आम बात हो गई है।

» डीएम-सीडीओ के निर्देश भी बेअसर, परिसर में उगी झाड़ियां और जलभराव से लोग परेशान

» स्वच्छता अभियान के बीच मुख्यालय की बदहाली ने पंचायत राज विभाग की कार्यशैली पर उठाए सवाल

ब्लॉक प्रमुख आवास के सामने का हाल

एडीओ पंचायत कार्यालय के सामने का हाल

जल भराव से फैली गंदगी, सहायक विकास अधिकारी कार्यालय के सामने के हाल

पंचायत राज विभाग के अधिकारी कार्यालय की साफ-सफाई को लेकर जिम्मेदारी निभाने के बजाय आंख मूंदे बैठे हैं। स्थिति यह है कि ब्लॉक प्रमुख आवास के पास तक घास और गंदगी का ढेर जमा है।

सवाल यह उठता है कि जब ब्लॉक स्तर पर ही सफाई व्यवस्था का यह हाल है, तो गांवों में विभाग की कार्यशैली कैसी होगी, इसकी कल्पना की जा सकती है।

### दावा विकास का, ज़मीनी हकीकत में गंदगी ही गंदगी

ब्लॉक परिसर में प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में अधिकारी, कर्मचारी और ग्रामीण आते हैं, लेकिन गंदगी की स्थिति देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि विकास योजनाएं इसी बदहाल माहौल में संचालित हो रही हैं। परिसर के भीतर खड़े गंदे पानी और झाड़-झंखाड़ ने संचारी रोग फैलने का खतरा और बढ़ा दिया है।

स्थानीय लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि कई बार विभागीय कर्मचारियों से सफाई की मांग की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

डीएम और सीडीओ के निर्देशों को खुलेआम नजरअंदाज किया जा रहा है, जिससे साफ हो गया है कि पंचायत राज विभाग के अफसर आदेशों को गंभीरता से नहीं ले रहे। जनता ने मांग की है कि परिसर की तत्काल सफाई कराकर अफसरों की जवाबदेही तय की जाए।

# साकेत महाविद्यालय का सिंहासन डोलने लगा

**» भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे अध्यक्ष दीप कृष्ण वर्मा पर कार्रवाई की तलवार**

**» 3 अगस्त को आम सभा में होगी निर्णायक सुनवाई**

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

अयोध्या। पूर्वांचल का सबसे प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान कामता प्रसाद सुंदरलाल साकेत महाविद्यालय इन दिनों अपने शैक्षिक गौरव से ज्यादा, प्रबंधन समिति के अध्यक्ष दीप कृष्ण वर्मा पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर सुर्खियों में है।

महाविद्यालय की पांच सदस्यीय जांच समिति ने गवाहों के लिखित एवं मौखिक बयानों के आधार पर अध्यक्ष को प्रथम दृष्टया दोषी माना है। समिति ने अध्यक्ष दीप कृष्ण वर्मा के साथ-साथ प्रोफेसर आशुतोष सिंह पर भी अवैध वसूली में संलिप्तता का आरोप लगाया है।


स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com अयोध्या कानपुर शनिवार 26 जुलाई, 2025 11

साकेत महाविद्यालय में प्रमोशन के बदले वसूली का पर्दाफाश

शिक्षक बोले काम नहीं हुआ तो पैसा लौटा दिया, वीडियो ... र्डिंग में कबूलनामे दर्ज

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। शिक्षा के मंदिर साकेत महाविद्यालय से एक बड़ा घोटाला उजागर हुआ है। महाविद्यालय में पदोन्नति, नियुक्ति और एनओसी जैसे कार्यों के लिए शिक्षकों और कर्मचारियों से खुलेआम धन वसूली की गई। जांच रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। इस पूरे मामले में विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के वर्तमान अध्यक्ष डॉ. जन्मेजय तिवारी की सीधी संलिप्तता उजागर हुई है। आरोप है कि डॉ. अमित तिवारी की एनओसी के लिए डेढ़ लाख रुपये की वसूली की गई, जिसे डॉ. जन्मेजय तिवारी के माध्यम से महाविद्यालय अध्यक्ष तक पहुंचाया गया।

जांच में पाया गया कि महाविद्यालय में कोई भी फाइल प्रमोशन, एकल स्थानांतरण या नियुक्ति तब तक आगे नहीं बढ़ती थी ... तक संबंधित व्यक्ति से तय राशि ... ली जाए। स्थापना विभाग ... प्रदीप श्रीवास्तव और ... स्वीकार किया ... अध्यक्ष ... प्रिंटि ...

... की ... के माध्यम ... दी गई थी। बाद में ... और मामला खुलने लगा, ... या गया।

**वेतनमान बढ़ाने की भी कीमत**

राजेश मिश्र नामक कर्मचारी को उच्चीकृत वेतनमान देने के एवज में अध्यक्ष द्वारा ?15,000 की मांग की गई थी, जिसे संबंधित कर्मचारियों ने वसूलकर अध्यक्ष को पहुंचाया। 30 मई 2025 को गठित समिति ने विस्तृत जांच के बाद अपनी आख्या पत्रांक च.5.10053 दिनांक 23 जून 2025 को प्रस्तुत की।

**वीडियो में दर्ज बयानों ने खोली पोल**

सभी बयान लिखित रूप में लिए गए और वीडियो रिकॉर्डिंग के ज़रिए सुरक्षित किए गए। कई शिक्षकों ने कैमरे पर यह भी कहा कि काम न होने पर पैसा लौटा दिया गया। जिस संस्था में ज्ञान का प्रकाश फैलाया जाता है, वहां अब पैसों की बोली लग रही है। सवाल यह है कि क्या अब प्रमोशन के लिए परिश्रम नहीं, पैसा चाहिए? और क्या यह शिक्षा व्यवस्था की दीवारों में लग चुका दीमक है?

शि... सैन्य वि... स्ववित्तपो... ...जशास्त्र, ...ाए विभागों के ... बयान दर्ज कराए हैं

...करण से कोई वास्ता नहीं है अध्यक्ष ... किसी ने हमसे पूछा कि ये काम कहाँ ... ने स्थापना भेज दिया। यह प्रकरण ...य और प्रबंधक के बीच भ्रष्टाचार का ...मरा इससे कोई लेना देना नहीं है।
डॉ जनमेजय तिवारी
अध्यक्ष
विश्वविद्यालय शिक्षक संघ

**शिक्षक गरिमा पर चोट!**

साकेत महाविद्यालय में प्रमोशन के नाम पर हुई अवैध वसूली में शिक्षक संघ के शीर्ष पदाधिकारी डॉ जनमेजय तिवारी की संलिप्तता बेहद शर्मनाक है। शिक्षक हित की रक्षा करने की बजाय वसूली का माध्यम बनना न केवल निंदनीय है, बल्कि शिक्षक समाज के विश्वास का अपमान भी है। तत्काल त्यागपत्र देकर पद से विरत हों - यही शिक्षक गरिमा की रक्षा का मार्ग है।
डॉ अनन्त राम सिंह, अध्यक्ष
डॉ त्रिभुवन नाथ मिश्रा, महामंत्री
अवध विश्वविद्यालय
स्ववित्तपोषित महाविद्यालय शिक्षक संघ

26 जुलाई को स्वराज इंडिया में प्रकाशित खबर

आनंद सिंपल के नेतृत्व में गठित पांच सदस्यीय जांच समिति ने तीन प्रमुख बिंदुओं पर केंद्रित होकर अपनी रिपोर्ट तैयार की है। गवाही देने वालों में प्रमुख शिक्षकों व स्टाफ सदस्यों – डॉ. वितेन्द्र पांडेय, डॉ. अजय मिश्र, डॉ. सुरेन्द्र जायसवाल, डॉ. पियूष श्रीवास्तव सहित लिपिकीय कर्मचारी प्रदीप श्रीवास्तव व राकेश कुमार के बयान शामिल हैं, जिनमें अध्यक्ष पर लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों को पुष्ट किया गया है।

**गंभीर आरोप या गहरी साजिश?**

जांच रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि अवैध वसूली की रकम प्रोफेसर आशुतोष सिंह के माध्यम से अध्यक्ष तक पहुँचती थी। समिति ने इस पूरे मामले को शिक्षा संस्थान की गरिमा पर आघात मानते हुए सख्त कार्रवाई की संस्तुति की है।

## अध्यक्ष की सफाई - यह साजिश है!

अध्यक्ष दीप कृष्ण वर्मा ने सभी आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए जांच समिति की वैधता को ही चुनौती दी है। उन्होंने कहा जांच समिति के पास कोई वैधानिक अधिकार नहीं है। यह पूरी साजिश मेरे खिलाफ है, जिसे मैं कोर्ट में चुनौती दूंगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि समिति के कई सदस्यों के कारनामों की फेहरिस्त उनके पास है, जिसे वे समय आने पर उजागर करेंगे।

## संगठन ने भी जताई आपत्ति

अवध विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष जन्मेजय तिवारी ने रिपोर्ट में अपना नाम आने को दुर्भावनापूर्ण बताया। उन्होंने कहा,मैं और मेरा संगठन भ्रष्टाचार के किसी भी रूप का समर्थन नहीं करता। जांच में सहयोग दिया गया है और संस्था की प्रतिष्ठा के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।साकेत महाविद्यालय में जारी यह भ्रष्टाचार विवाद अब केवल प्रशासनिक मसला नहीं रह गया है यह संस्था की नैतिक और शैक्षिक छवि से भी जुड़ गया है। तीन अगस्त की बैठक केवल एक तारीख नहीं, एक मोड़ होगी जहां या तो सच्चाई विजयी होगी या सत्ता की चालें।अब पूरे अयोध्या की निगाहें इसी ऐतिहासिक फैसले पर टिकी हैं।

# सरयू पुल से लता मंगेशकर चौक तक अवैध अतिक्रमण हटाने में नाकाम नगर निगम

## आईजी के आदेश की अवहेलना, नगर निगम बना मूकदर्शक

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

अयोध्या। रामनगरी के प्रवेश द्वार कहे जाने वाले पुराने सरयू पुल से लेकर लता मंगेशकर चौक तक का इलाका अतिक्रमणकारियों के कब्जे में है। नगर निगम के तमाम अभियान, प्रवर्तन दल की खानापूर्ति और आईजी रेंज के निर्देशों के बावजूद इस रूट पर न अवैध कब्जे हट सके और न ही सार्वजनिक मार्ग सुचारू हो सका।

स्थानीय सूत्रों का दावा है कि यह अतिक्रमण पुलिस की मौन सहमति से पनप रहा है। नयाघाट चौकी के ठीक सामने नाले के किनारे से लेकर सड़क तक ठेले, पान दुकानों, फल विक्रेताओं और फूस की झोपड़ियों ने कब्जा जमा लिया है। निर्माणाधीन नाले के किनारे तक दुकानें, और छाजन बढ़ाकर सड़क तक अतिक्रमण किया गया है।

## स्थानीय नागरिकों का रोष

**स्थानीय व्यापारी और निवासियों ने सवाल उठाए हैं –**

### क्या यही है रामनगरी का सौंदर्यीकरण?

**क्या तीर्थयात्रियों को अव्यवस्थित गलियों से होकर गुजरना उचित है?आखिर क्यों नगर निगम, पुलिस और प्रशासन अतिक्रमण पर एकमत होकर सख्ती नहीं बरतता?**

### मामले की जांच जरूरी

**इस पूरे मामले में नगर निगम, प्रवर्तन दल, नयाघाट चौकी और स्थानीय पुलिस की संलिप्तता या लापरवाही की निष्पक्ष जांच जरूरी है।**

**अगर यह धार्मिक और पर्यटन मार्ग है, तो इस पर हर हाल में अतिक्रमण पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।**



नगर निगम के प्रवर्तन दल कभी–कभार कार्रवाई का कागजी कोरम पूरा करता है लेकिन उसका कोई स्थायी असर नहीं होता। अतिक्रमणकारी पुनः वहीं लौट आते हैं, और अस्थायी ढांचे फिर से खड़े हो जाते हैं।

जबकि आईजी अयोध्या की ओर से स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि मुख्य धार्मिक रूट और पर्यटन पथ को अतिक्रमण मुक्त रखा जाए। लेकिन नयाघाट चौकी की नाक के नीचे ये आदेश मजाक बनकर रह गए हैं।

# अयोध्या नगरी की हर गली में खुलेआम छलक रहा जाम!

- » प्रशासन बना मूक दर्शक, ठेके बने अपराध की जड़
- » धार्मिक नगरी में नशे का नंगा नाच
- » जब ठेका दे रहा शहर की बदनामी का ठेका
- » लोकल दुकानदारों और मोहल्लेवासियों में भारी नाराज़गी

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

**अयोध्या। धार्मिक नगरी अयोध्या में अपराध अब शराब के ठेके से निकलता है। शहर भर की कंपोजिट शराब की दुकानें अब 'मॉडलशॉप' का झूठा मुखौटा पहनकर असली अपराध के अड्डे बन चुकी हैं। यहां काउंटर पर शराब बिकती ही नहीं, खुलेआम पी भी जाती है। कुछ दुकानों के बगल में अस्थायी हाते बना दिए गए हैं जहां शराबियों को बैठाकर 'सम्मानपूर्वक' पिलाया जाता है जैसे किसी खास अतिथि का सत्कार हो रहा हो।**

शहर के बीचोबीच नशे की मंडी चल रही है, पर पुलिस और आबकारी विभाग के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही। शिकायत करने वाले स्थानीय निवासियों को उल्टे समझदारी से रहने की सलाह दी जाती है। सवाल उठता है क्या यह मिलीभगत नहीं तो और क्या है?इन दुकानों के अगल-बगल दुकान चलाने वालों का कहना है कि जैसे ही शाम होती है, शराबी झुंड के झुंड बैठ जाते हैं। गाली-गलौज, छींटाकशी, हंगामा आम बात हो गई है। कई लोगों ने अपने परिवार को दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया है। और जिनकी दुकानें इन ठेकों के पास हैं, उनकी रोजी-रोटी पर ताला पड़ चुका है।

**कानून तोड़ने का नया तरीका मॉडलशॉप का बहाना**

कंपोजिट ठेकों में शराब के लिए अनुमति तो ली जाती है, मगर उसे 'सजाकर पिलाने' की छूट किसने दी? आबकारी अधिनियम के मुताबिक, शराब पीने के लिए निर्धारित स्थान के अलावा कहीं भी बैठाकर





पिलाना अपराध की श्रेणी में आता है, पर यहां तो खुलेआम इस नियम को रौंदा जा रहा है।

**मिलीभगत की बू: किसके संरक्षण में चल रहा ये खेल?**

स्थानीय लोग साफ कह रहे हैं कि जब तक पुलिस और आबकारी महकमा साथ न दे, इस तरह का गैरकानूनी कारोबार संभव ही नहीं।प्रश्न यही है शराब की दुकान पर पीने वालों से बड़ा गुनहगार कौन है जो पिला रहा है या जो आंख मूंदे बैठा है?धार्मिक शहर की छवि को कलंकित करता यह नेटवर्क अब सिर्फ सामाजिक संकट नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था की खुली विफलता है। प्रशासन कब जागेगा? या अयोध्या की साख यूं ही जाम में डूबती रहेगी?अयोध्या की सड़कों से उठते उन सवालों की आवाज़ है, जिन्हें न कोई सुन रहा, न सुलझा रहा...स्वराज इंडिया की रिपोर्ट पूछती है - क्या अब ठेका ही बनेगा शहर की पहचान?

# गद्दोपुर की जमीन पर रेलवे बाईपास का विरोध शुरू

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

**अयोध्या। जहां एक ओर रामनगरी अयोध्या में तीव्र गति से विकास कार्यों की बयार बह रही है, वहीं दूसरी ओर यह बयार अब स्थानीय जनता के जीवन पर तूफान बनकर टूटती नजर आ रही है। ताजा मामला अयोध्या के गद्दोपुर क्षेत्र का है, जहां केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित रेलवे बाईपास प्रोजेक्ट ने सैकड़ों घरों और खेतों पर संकट की तलवार लटका दी है।**

रेल मंत्रालय ने हाल ही में एक विज्ञापन जारी कर घोषणा की है कि इलाहाबाद-अयोध्या और लखनऊ-अयोध्या रेल मार्ग के बीच से होकर एक नई बाईपास लाइन निकाली जाएगी, जो मालगाड़ियों को सीधे माल गोदामों से जोड़ेगी। इस परियोजना का मकसद लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाना है, लेकिन इसके लिए जिस रास्ते को चुना गया है वह गद्दोपुर को चारों ओर से लोहे की पटरी में जकड़ देगा।

इस निर्माण के लिए रेलवे विभाग ने चिन्हांकन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है, जिससे स्थानीय जनता में रोष फैल गया है। जिनके खेत, मकान और पुश्तैनी जमीन इस योजना की जद में आ रही हैं, वे अब विरोध के मोर्चे पर उतर चुके हैं। लोगों का कहना है कि विकास के नाम पर जबरन उजाड़ा जा रहा है न कोई पुनर्वास नीति, न मुआवजा तय, न विकल्प की बात।

**जनता कह रही विकास नहीं, यह विनाश है!**

गद्दोपुर की जनता ने सामूहिक रूप से पूर्व भाजपा सांसद लल्लू सिंह से भेंट की और अपनी पीड़ा साझा की। उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र भेजकर इस योजना को कहीं और स्थानांतरित करने की मांग की है। ग्रामीणों का साफ कहना है ष्हम बाईपास लाइन नहीं बनने देंगे, चाहे हमें धरना देना पड़े या भूख हड़ताल करनी हो।अब गद्दोपुर में आंदोलन की लपटें उठने लगी हैं। ग्रामवासियों की आपात बैठकें हो रही हैं, रणनीति बनाई जा रही है। आने वाले दिनों में रेलवे कार्यालय के घेराव, सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन और अयोध्या में भूख हड़ताल जैसे कदम तय हैं।

पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने आश्वासन दिया है कि वे रेल मंत्री से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर इस गंभीर समस्या से उन्हें अवगत कराएंगे। गद्दोपुर के लोग आज अपने वजूद, विरासत और घरों को बचाने के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं।

इस विरोध में गद्दोपुर पार्षद रामतीरथ, प्रतिनिधि अभिषेक सिंह, शशिप्रकाश सिंह, अजीत सिंह, संजीव सिंह, अंकुर सिंह, विशाल, अनूप, कालीचरण, सुनील सिंह, संतोष, सत्यप्रकाश सहित सैकड़ों लोग एक स्वर में यह कहने लगे हैं अगर विकास हमारी जड़ें काटे, तो वह विकास नहीं एक सुनियोजित तबाही है!

# लखनऊ-हरदोई रोड पर जल्द दौड़ेगी गाड़ियां

**प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया**

लखनऊ ।लखनऊ वासियों के लिए अच्छी खबर है। बहुप्रतीक्षित लखनऊ-हरदोई फोरलेन सड़क परियोजना अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। मंगलवार को जिलाधिकारी विशाख जी ने किसान पथ से हरदोई बॉर्डर तक बन रही 31.730 किलोमीटर लंबी सड़क परियोजना का स्थलीय निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को 10 दिनों के भीतर दोनों ओर से यातायात शुरू करने के निर्देश दिए।यह परियोजना नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ह ग्रद्ब) द्वारा 280.72 करोड़ रुपये की लागत से संचालित की जा रही है। परियोजना अधिकारी ने अवगत कराया कि लगभग 98त्न कार्य पूर्ण हो चुका है और शेष निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है।डीएम ने निरीक्षण की शुरुआत किसान पथ अंडरपास (काकोरी रोड) से की और भौतिक सत्यापन के साथ सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र लखनऊ का प्रवेश द्वार है, अतः इसकी खूबसूरती में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने किमी 260+800 से 260+600 के मध्य पट्टी में हरियाली एवं वृक्षारोपण करवाने के निर्देश भी दिए।

**युद्धस्तर पर कार्य के निर्देश**

निरीक्षण के दौरान डीएम विशाख जी किमी 256+019 पर स्थित मेजर ब्रिज पर पहुंचे, जहां अप्रोच स्लैब का कार्य जारी था। उन्होंने कहा कि अगले 10 दिनों के भीतर दोनों लेनों से यातायात चालू हो जाना चाहिए, इसके लिए कार्यों को युद्धस्तर पर पूरा किया जाए। इस मौके पर एनएचएआई परियोजना निदेशक, मलिहाबाद उप जिलाधिकारी, जीएम श्री राहुल चक्रेश, डीपीएम सूर्या विकास जायसवाल, प्रोजेक्ट मैनेजर राकेश कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।यह सड़क न केवल लखनऊ और हरदोई को बेहतर ढंग से जोड़ेगी, बल्कि क्षेत्रीय विकास और ट्रैफिक दबाव कम करने में भी सहायक सिद्ध होगी।

# गरीबों का स्कूल बंद करना उनके भविष्य पर ताला लगाने जैसा

## स्कूल मर्जर पर उठ रहे सवाल, दूर-दराज के स्कूल जाना पढ़ाई और मुश्किल बनाएगा

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

**कानपुर/लखनऊ।** राज्य सरकार द्वारा चल रही सरकारी स्कूलों के मर्जर (विलय) प्रक्रिया को लेकर गरीब, मजदूर और किसान वर्ग में तीव्र नाराजगी देखने को मिल रही है। कई समाजसेवियों, अभिभावकों और शिक्षक संगठनों का कहना है कि यह नीति गरीब बच्चों के भविष्य के साथ अन्याय है और शिक्षा के निजीकरण की ओर एक कदम है।

वक्ताओं का कहना है कि सरकारी स्कूल न सिर्फ शिक्षा का मंदिर हैं, बल्कि गरीब और हाशिए पर खड़े समुदायों के बच्चों के लिए जीवन बदलने का एकमात्र रास्ता भी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जहां रोजगार और संसाधनों की पहले से ही कमी है, वहां यदि स्कूल भी बंद कर दिए जाएं तो बच्चों के भविष्य के दरवाजे पूरी तरह से बंद हो जाएंगे।

**शिक्षा अधिकार नहीं, लाभ-हानि का गणित बन गई? :** स्कूल मर्जर प्रक्रिया का विरोध करते हुए सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या अब शिक्षा भी केवल आर्थिक तर्कों पर तौली जाएगी? क्या अब यह देखा जाएगा कि किसी स्कूल में कितने बच्चे हैं और उस आधार पर तय होगा कि स्कूल चलेगा या बंद होगा?

विरोधियों का कहना है कि सरकार बैनर, उद्घाटन और राजनीतिक आयोजनों पर करोड़ों रुपये खर्च कर सकती है लेकिन जब गांव के किसी छोर पर पांच बच्चों को पढ़ाने की बात आती है, तो वह खर्च 'अव्यवहारिक' लगने लगता है।

» सरकारी स्कूलों के विलय को लेकर जनभावनाएं आहत

» लोग इसे एक बड़ा सामाजिक और नैतिक प्रश्न मान रहे हैं

**प्राइवेट स्कूल सबके बस की बात नहीं :** प्राइवेट स्कूलों की महंगी फीस और अतिरिक्त खर्च गरीबों के लिए न तो संभव हैं और न ही उचित। स्कूल मर्जर की प्रक्रिया के बाद बच्चों को दूर-दराज के स्कूलों तक जाना होगा, जो उनकी पढ़ाई को और कठिन बना देगा। सवाल उठाया जा रहा है कि क्या सरकार या अधिकारी यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि बच्चे रोज सुरक्षित दूरी तय कर पाएंगे?

**शिक्षा खर्च नहीं, निवेश है :** आलोचकों का स्पष्ट कहना है कि शिक्षा पर किया गया खर्च वास्तव में समाज और राष्ट्र के भविष्य में निवेश है। पांच बच्चों के लिए भी एक शिक्षक और एक स्कूल उतना ही जरूरी है जितना किसी शहर में किसी हाईटेक स्कूल की सुविधाएं। यदि सरकारी स्कूलों में शिक्षक, संसाधन या बुनियादी सुविधाओं की कमी है तो उसका समाधान सुधार से किया जाना चाहिए, न कि स्कूलों को मर्ज कर खत्म करने के जरिए। सरकारी स्कूलों के विलय को लेकर जनभावनाएं आहत हैं और लोग इसे एक बड़ा सामाजिक और नैतिक प्रश्न मान रहे हैं। सरकार से अपेक्षा की जा रही है कि वह शिक्षा को लाभ-हानि के तराजू पर तौलने की बजाय, उसे जन अधिकार और सामाजिक उत्तरदायित्व मानते हुए नीति बनाए।

**केदारनाथ यात्रा पर 3 दिन रोक**

## सोनप्रयाग-गौरीकुंड पैदल मार्ग पर हुआ भारी भूस्खलन

**रुद्रप्रयाग।** सोनप्रयाग-गौरीकुंड पैदल मार्ग पर भारी भूस्खलन हुआ है, जिसके चलते केदारनाथ यात्रा पर ब्रेक लग गया है। मुनकटिया से करीब डेढ़ किमी आगे पहाड़ी का बड़ा हिस्सा ढहने से रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो गया है। यहां दोनों तरफसे आवाजाही ठप हो गई है।

मौसम के ठीक होने पर बुधवार सुबह तक सड़क बहाल होने की उम्मीद थी, लेकिन भारी भूस्खलन के चलते सोनप्रयाग-गौरीकुंड पैदल मार्ग बंद हो गया। हाईवे बंद होने पर पुलिस ने गौरीकुंड और सोनप्रयाग से दोतरफा आवाजाही को रोक दिया है। मंगलवार को शाम 6:30 बजे बारिश के बीच मुनकटिया से करीब डेढ़ किमी आगे ऊपरी तरफ चट्टान का बड़ा हिस्सा सड़क आ गिरा।

**सुनामी ने मचाई तबाही**

## तिनकों की तरह बह रहे घर, पानी में समा रहीं इमारतें

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

**नई दिल्ली।** रूस में भूकंप के बाद चीन, पेरू और इक्वाडोर समेत प्रशांत महासागर में कई देशों के तटीय इलाकों के लिए सुनामी चेतावनी जारी की गई है। प्रशांत क्षेत्र में चिंता बढ़ गई है। रूस में आए विनाशकारी भूकंप के बाद समुद्र में सुनामी की लहरें उठने लगीं, जो तबाही मचा रही हैं। स्थानीय मडिया के अनुसार, सुनामी की लहरें चार मीटर तक ऊंचीं थीं। इन तेज लहरों ने कई इलाकों में भारी नुकसान किया है। रूस में भूकंप के बाद चीन, पेरू और इक्वाडोर समेत प्रशांत महासागर में कई देशों के तटीय इलाकों के लिए सुनामी चेतावनी जारी की गई है. इससे पूरे प्रशांत क्षेत्र में चिंता बढ़ गई है।

**राज्यसभा**

**विपक्ष पर भड़के जयशंकर, कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा**

# 'कान खोलकर सुन लें, मोदी-ट्रंप की नहीं हुई बात'

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

**नई दिल्ली।** विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और कहा कि कुछ लोग इतिहास से घबराते हैं। उन्होंने यह तंज सिंधु जल संधि को लेकर कसा, जिसे पहलगाम आतंकी हमले के बाद स्थगित कर दिया गया। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विपक्ष कई बार सरकार पर आरोप लगाता रहा है कि ट्रंप ने भारत-पाक के बीच सीजफायर समझौता कराया है, हालांकि भारत सरकार इन आरोपों से इनकार करती रही है। राज्यसभा में ऑपरेशन सिन्दूर पर चर्चा के दौरान विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि मैं उनको कहना चाहता हूं, वो कान खोलकर सुन लें। 22 अप्रैल से 16 जून तक, एक भी फोन राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के बीच में नहीं हुआ। जयशंकर ने इतिहास का जिक्र करते हुए कहा, कुछ लोग इतिहास को भूल जाना चाहते हैं। शायद यह उन्हें सूट नहीं करता। वे सिर्फ वही बातें याद रखना चाहते हैं जो उनके मन को भाए।

**22**
**अप्रैल से 16 जून तक, एक भी फोन राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के बीच में नहीं हुआ**

**नेहरू की नीतियों पर उठाए सवाल :** जयशंकर ने 1960 में जवाहरलाल नेहरू के संसद में दिए बयान को याद किया। उन्होंने कहा कि 30 नवंबर 1960 को नेहरू ने कहा था कि संसद को पानी की मात्रा या पैसे के लेन-देन पर फैसला नहीं करना चाहिए। लोगों ने इसका विरोध किया था। नेहरू ने कहा था कि यह संधि पाकिस्तानी पंजाब के हित में है। लेकिन उन्होंने कश्मीर, पंजाब, राजस्थान या गुजरात के किसानों के बारे में एक शब्द नहीं कहा। विदेश मंत्री ने जोर देकर कहा कि यह संधि उस समय की गलत नीतियों का नतीजा थी। उन्होंने कांग्रेस की सोच पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह इतिहास से सबक लेने को तैयार नहीं।

**'मोदी सरकार ने सुधारी गलतियां' :** जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेहरू की गलतियों को सुधारने का काम किया है। उन्होंने कहा, हमें 60 साल तक बताया गया कि कुछ नहीं हो सकता। नेहरू की गलतियां सुधारी नहीं जा सकतीं। लेकिन मोदी सरकार ने दिखाया कि यह मुमकिन है। आर्टिकल 370 को खत्म किया गया और अब सिंधु जल संधि को भी सुधारा जा रहा है।

उन्होंने साफ कहा कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद का समर्थन पूरी तरह बंद नहीं करता, यह संधि स्थगित रहेगी। हमने चेतावनी दी है कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते।